सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 310 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 21 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ा गुरु मंत्र है, कभी भी अपने राज दूसरों को मत बताएं। ये आपको बर्बाद कर देगा।

-चाणक्य

जैसे चीन भारत में गुसा, हम वैसे... 8 | रामनगरी आने वालों को लुभा... 3 | अजय के बयान पर अमित का पलटवार... 2

कोरोना पर जंग, यात्रा रोकने के अनुरोध पर भड़की कांग्रेस

कहा-मास्क लगाकर गए थे मोदी गुजरात

सोनिया का सवाल- चीन की घुसपैठ पर चुप क्यों है सरकार

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारत व चीन की सेना के बीच पिछले दिनों हुए टकराव पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने चिंता जताई है। पार्टी संसदीय दल की बैठक के बाद उन्होंने कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के साथ संसद परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। विपक्ष के नेताओं ने सरकार से मांग की कि चीन के साथ हुए टकराव पर संसद में चर्चा कराई जाए। सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार चर्चा नहीं कराने के अड़ियल रुख पर कायम है, जबकि जनता व सदन सीमा की असल स्थिति जानना चाहते हैं। सोनिया गांधी ने सवाल किया कि सरकार चीन के आक्रमण का आर्थिक पाबंदियां लगाकर जवाब क्यों नहीं दे रही है? उधर, सीपीपी की बैठक में सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि देश की आर्थिक स्थिति निराशाजनक है, जबकि सरकार झूठा दावा कर रही है कि सब ठीक है।

भारत व चीन की सेना के बीच तवांग में हुए टकराव पर सोनिया गांधी ने जताई चिंता

- भाजपा का कोरोना के बहाने भारत जोड़ो यात्रा पर निशाना
- स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर चढ़ गया देश का सियासी पारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा में कोरोना के नियमों का पालन नहीं करने पर राहुल गांधी से यात्रा बंद करने की बात कहकर स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने देश की राजनीति में नई जंग छेड़ दी है। केंद्रीय मंत्री की इस संदर्भ में चिट्ठी सामने आने के बाद कांग्रेस और भाजपा नेताओं की ओर से शुरू हुई बयानबाजी ने कड़ाके की ठंड के बीच उत्तर भारत में सियासी पारा चढ़ा दिया है। कांग्रेस सीधे मोदी सरकार पर हमलावर हो गई है।

लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने साफ तौर पर कहा है कि भाजपा भारत जोड़ो यात्रा से डरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्री की चिट्ठी मोदी सेना की हताश को साफ दर्शा रही है। उन्होंने सरकार से सवाल पूछे हैं कि मोदी गुजरात में मास्क पहनकर घर-घर प्रचार करने गए थे ? उनसे कोविड प्रोटोकॉल का पालन करवाया गया ? स्वास्थ्य मंत्री को गुजरात में कोरोना के नियम क्यों याद नहीं आए ?

उधर, चीन में बढ़ते कोरोना के खतरे ने भारत की टेंशन भी बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से नए मामलों पर नजर रखने और जीनोम सीक्वेंसिंग बढ़ाने के लिए कहा है। जांच से पता चलेगा कि देश में कोविड वायरस का कोई नया रूप (वेरिएंट) तो सामने नहीं आ रहा। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में दोनों नेताओं से दो टूक शब्दों में कहा गया है कि भारत जोड़ो यात्रा में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करवाएं। मास्क-सैनिटाइजर का इस्तेमाल लागू किया जाए, अगर यह संभव न हो तो यात्रा को तत्काल बंद कर दें। फिलहाल चिट्ठी ने सियासत का पारा तो चढ़ा दिया है, मगर इसके बाद कोरोना के मामले में सरकार का कदम क्या होगा इस पर सबकी नजरें लग गई हैं। हालांकि कांग्रेस को भेजी गई चिट्ठी इस बात का संकेत दे रही है कि केंद्र सरकार फिर से कोरोना के खिलाफ ऐक्शन मोड में आ रही है।

"भारत जोड़ो यात्रा से डरी हुई है भाजपा"

अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस नेता

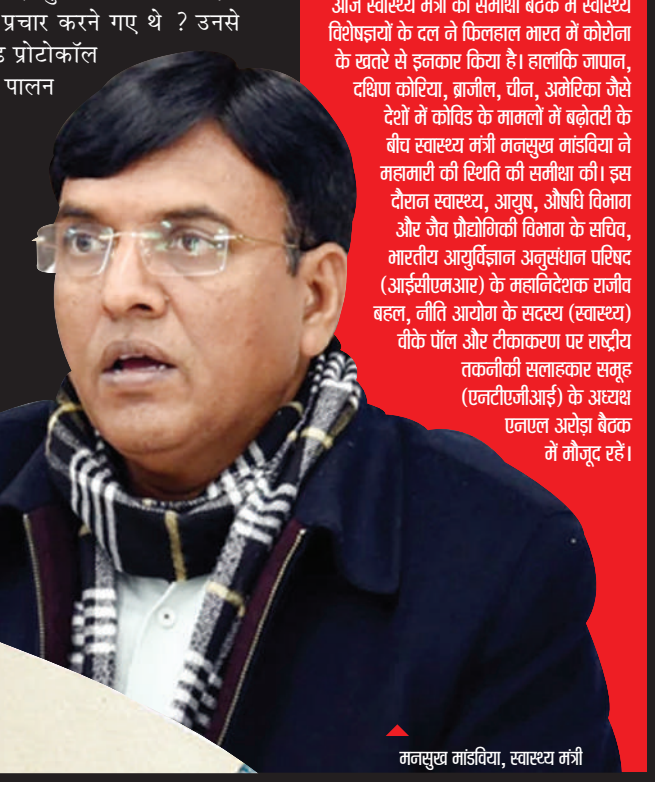
मनसुख मांडविया, स्वास्थ्य मंत्री

हेल्थ एक्सपर्ट्स का खतरे से इनकार

आज स्वास्थ्य मंत्री की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विशेषज्ञयों के दल ने फिलहाल भारत में कोरोना के खतरे से इनकार किया है। हालांकि जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, चीन, अमेरिका जैसे देशों में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी के बीच स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने महामारी की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान स्वास्थ्य, आयुष, औषधि विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक राजीव बहल, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वीके पॉल और टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के अध्यक्ष एनएल अरोड़ा बैठक में मौजूद रहें।

अवैध टैक्सी स्टैंड के खिलाफ सीएम योगी ने दिया निर्देश

'किसी कीमत पर न होने दें अतिक्रमण'

» सीएम योगी ने विकास कार्यों की जानी प्रगति

» समय से पूरा कराएं विकास परियोजनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अवैध टैक्सी स्टैंड किसी कीमत पर संचालित नहीं होने चाहिए। इसे तुरंत हटाया जाए। सड़क के किनारे दुकानें न लगें, किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। शहर में साफ-सफाई की व्यवस्था को बेहतर रखा जाए।

मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़कों से अतिक्रमण हटाया जाए, जिससे जाम न लगे। उन्होंने आयुष विश्वविद्यालय, सैनिक स्कूल, देवरिया बाईपास रोड, मेडिकल कालेज रोड, पैडलेगंज-नौसढ़ सिक्स लेन आदि विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली। पीडब्ल्यूडी के नवागत मुख्य अभियंता से कहा कि विकास परियोजनाओं को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने खिचड़ी मेला की तैयारियों की समीक्षा की। कहा कि मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। मेला स्थल पर आने वाली सड़क को ठीक कर लिया जाए। बिजली के जर्जर तार एवं खंभों को ठीक करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया। उन्होंने पुलिस के अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था एवं वाहनों की पार्किंग की उचित व्यवस्था करने को कहा।

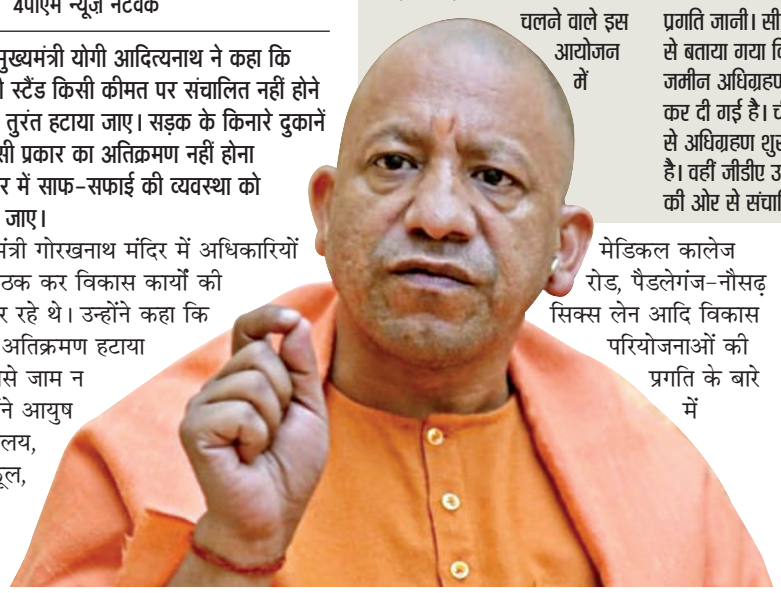

गोरखपुर महोत्सव तैयारियों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर महोत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में स्थानीय कलाकारों को अधिक से अधिक मौका दिया जाए। उन्होंने गीडा में लैंड बैंक को लेकर भी प्रगति जानी। सीईओ गीडा की ओर से बताया गया कि धुरियापार में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चीनी मिल के पास से अधिग्रहण शुरू करने की तैयारी है। वहीं जीडीए उपाध्यक्ष ने जीडीए की ओर से संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई और भावी योजनाओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में एडीजी जोन अखिल कुमार, मंडलायुक्त रवि कुमार एनजी, डीआइजी जे रविन्दर कुमार, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर, गीडा सीईओ पवन अग्रवाल, जीडीए उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर आदि उपस्थित रहे।

मोदी से मुलाकात कर निषाद ने मांगी निगमों में भागेदारी

» कहा-मझवार आरक्षण की पीएम जल्द ही देंगे मछुआ समाज को सौगात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निषाद पार्टी सुप्रीमो व योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर बोर्ड और निगमों में भागेदारी देने की मांग की है। संजय निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश दिन प्रतिदिन विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मछुआ का समाज उत्तर प्रदेश और देश में कल्याण हो रहा है, यह उनकी दुर्गामी एवं अति पिछड़ों व दबे कुचले समाज के उत्थान की सोच का नतीजा है। उत्तर प्रदेश के मछुआ समाज के कल्याण हेतु 300 करोड़ का अनुदान देकर पिछड़े समाज को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

संजय निषाद ने बताया कि संवैधानिक मझवार आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री से विस्तृत चर्चा हुई है। बताया कि प्रधानमंत्री को अवगत कराया गया कि किस प्रकार पूर्व की सरकारों द्वारा मछुआ समाज को केवल राजनीति फुटबॉल की तरह इस्तेमाल किया गया और उनकी बहुप्रतीक्षित मांग जोकि सविंधान में सूचीबद्ध है मझवार आरक्षण पर केवल राजनीति कर, वोट लेकर उनको कभी सपा, बसपा, कांग्रेस की सरकारों ने केवल वोट बैंक समझा है। प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया है कि मझवार आरक्षण निर्णायक भूमिका में है और जल्द ही वह मछुआ समाज को इसकी सौगात देंगे।

निकाय चुनाव से पहले बसपा में बड़ा बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव से पहले बसपा में बड़ा बदलाव हुआ है। अयोध्या निवासी विश्वनाथ पाल को बसपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर पाल को नई जिम्मेदारी की शुभकामनाएं दी। बसपा प्रमुख ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक हालात के मद्देनजर बीएसपी यूपी स्टेट संगठन में किए गए परिवर्तन के तहत विश्वनाथ पाल को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर शुभकामनाएं। कहा कि विश्वनाथ पाल बसपा के पुराने, मिशनरी, कर्मठ व वफादार कार्यकर्ता हैं।

मुझे पूरा भरोसा है कि वह विशेषकर अति पिछड़ी जातियों को बसपा से जोड़कर पार्टी के जनाधार को बढ़ाने में पूरे जी जान से काम करके सफलता जरूर अर्जित करेंगे। कहा कि हालांकि इनसे पहले भीम राजभर ने भी बसपा के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर रहकर पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य किया है, जिनकी पार्टी आभारी है तथा उनको अब पार्टी ने बिहार का कोआर्डिनेटर बनाया है।

अजय के बयान पर अमित का पलटवार, बोले राहुल मर्द हैं तो स्मृति के सामने लड़े चुनाव

» भाजपा ने कांग्रेस को दी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर कांग्रेस नेता अजय राय की ओर से की गई लटके झटके वाली टिप्पणी पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब भाजपा के आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि अगर राहुल गांधी मर्द हैं, तो उन्हें 2024 में अमेठी के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा खुले तौर पर करनी चाहिए। बजाय इसके कि वे अजय राय जैसे कृपापात्र लोगों के पीछे छिप जाएं। इतना ही नहीं भाजपा नेता अमित मालवीय ने इस दौरान राहुल गांधी को 2024 के लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट से चुनाव लड़ने की चुनौती भी दी।

दरअसल, बीते सोमवार को कांग्रेस नेता अजय राय ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अमेठी सीट कांग्रेस का गढ़ रही है। स्मृति ईरानी यहां केवल लटके झटके करती हैं और चली जाती हैं। अमेठी की जनता लटके-झटके दिखाकर जाने वाली सांसद को हराने का मन बना चुकी है। यहां कांग्रेस को बड़ी जीत मिलेगी। कांग्रेस नेता अजय राय के बयान के बाद अमेठी सांसद स्मृति ईरानी ने पलटवार करते हुए कांग्रेस को घेरा था। उन्होंने ट्वीट किया था कि सुना है राहुल गांधी ने आपने अपने किसी प्रांतीय नेता से अभद्र तरीके से 2024 में अमेठी से लड़ने की घोषणा करवाई है। तो क्या आपका अमेठी से लड़ना पक्का समझूं दूसरी सीट पर तो नहीं भागेंगे? डरेंगे तो नहीं?

उधर अजय राय की टिप्पणी के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने उन्हें नोटिस भेजा है। वहीं भाजपा महिला मोर्चा की ओर से यूपी में कांग्रेस नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। हालांकि, कांग्रेस नेता अजय राय ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा है कि इसमें कोई अश्लीलता नहीं है। यह सामान्य क्षेत्रीय भाषा है।

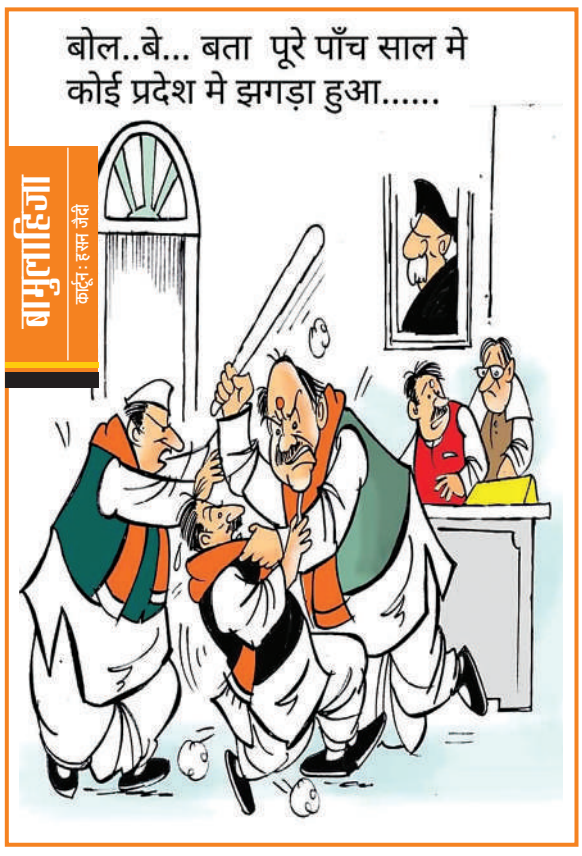

मुख्य सचिव डीएस मिश्र का इसी साल खत्म हो जाएगा कार्यकाल

» सेवा विस्तार के लिए अभी नहीं भेजी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दुर्गा शंकर मिश्र मुख्य सचिव के पद पर बरकरार रहेंगे या कोई नया अफसर आएगा। इस पर कयास तेज हो गए हैं। मिश्र का कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म हो रहा है। चर्चा यह भी है कि मिश्र को सेवा विस्तार न मिलने और किसी दूसरे अफसर पर सहमति न बनने की स्थिति में 1988 या 1989 बैच के अफसर को कार्यवाहक मुख्य सचिव नियुक्त किया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक मौजूदा मुख्य सचिव के सेवा विस्तार के लिए राज्य सरकार की तरफ से अभी तक कोई पत्र केंद्र सरकार को नहीं भेजा गया है। आईएएस अफसरों को सेवा विस्तार केंद्र सरकार ही देती है। अगर राज्य सरकार की तरफ से पत्र जाता है, तो केन्द्र उस पर क्या निर्णय लेता है, ये देखना दिलचस्प होगा। 1984 बैच के आईएएस दुर्गा शंकर मिश्र पिछले साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो गए थे। तब वह केंद्र सरकार में सचिव थे। रिटायरमेंट से कुछ दिनों पहले ही मिश्र को सेवा विस्तार देते हुए यूपी मूल काडर में भेज दिया गया था। उन्हें 31 दिसंबर, 2022 तक का सेवा विस्तार मिला था। कार्यवाहक मुख्य सचिव को तैनात करने की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि सरकार पहले भी ऐसा प्रयोग कर चुकी है। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में जब आईएएस अनूप चन्द्र पांडे मुख्य सचिव पद से रिटायर हुए थे। तब करीब पांच महीने तक आईएएस राजेन्द्र कुमार तिवारी को कार्यवाहक मुख्य सचिव के रूप में तैनात किया गया था।

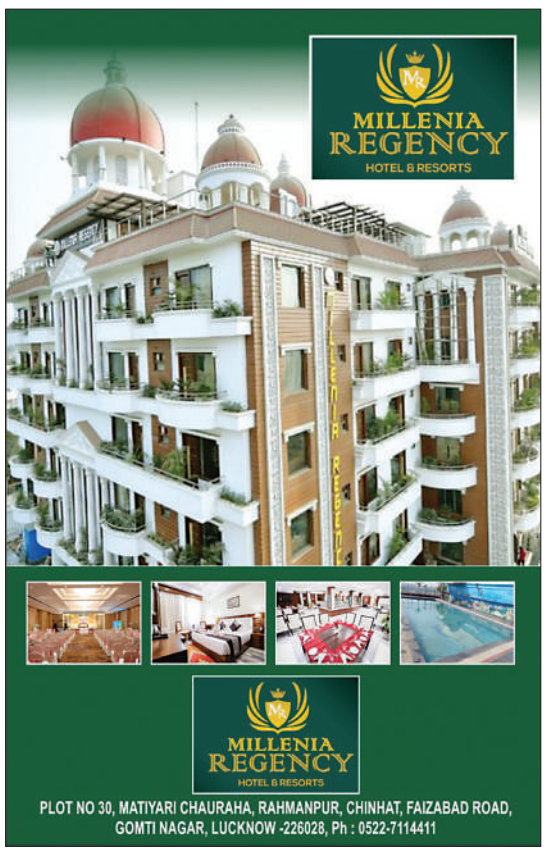

संपूर्ण जीवन सपा को समर्पित : शिवपाल

चाचा का बड़ा एलान, भतीजे अखिलेश को दिया था छोटे नेताजी का खिताब

» बोले, पार्टी में पद पाना ही सबकुछ नहीं होता

» हर जिम्मेदारी को निष्ठा से निभाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अखिलेश यादव से तमाम मतभेदों के बाद सपा से अलग होने वाले शिवपाल यादव पार्टी में वापसी के बाद से बदले-बदले नजर आ रहे हैं। बीते विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को ही नेता मानने के बाद अब उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रति अपनी एकनिष्ठा का ऐलान कर दिया है। अखिलेश को छोटे नेताजी कहने वाले शिवपाल ने कहा है कि वह सपा में किसी पद की चाह नहीं रखते। अगर उन्हें कोई जिम्मेदारी दी गई तो वे उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। अगर कोई जिम्मेदारी नहीं मिलती है तो भी वह सपा में जीवन भर बने रहेंगे और संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे।

प्रयागराज में मीडिया से बात करते हुए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा, मेरे लिए पद मायने नहीं रखता है। हम बड़े से बड़े पदों पर रह चुके हैं। कोई पद रहे या न रहे। अब आजीवन समाजवादी पार्टी में रहेंगे और अपनी जिम्मेदारी को निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं समाजवादी परंपरा से हूं, जहां पद मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। राम मनोहर लोहिया और जय प्रकाश नारायण के पास कोई पद नहीं था लेकिन दोनों जब बाहर निकले तो उन्होंने राजनीति में हलचल मचा दी। शिवपाल ने कहा कि सपा नेताजी की बनाई पार्टी है। पद पाना ही सबकुछ नहीं होता। हम निकल पड़े हैं तो इसका फायदा जरूर पार्टी को मिलेगा।

शिवपाल ने इस दौरान अखिलेश यादव की जमकर तारीफ की और कहा कि अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में अच्छे हैं और अच्छी तरह से विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश इसी तरह बाहर निकलते रहे तो पार्टी को फायदा होगा। पार्टी मजबूत होगी।

'भाजपा सरकार गुंडई कर रही'

शिवपाल ने इस दौरान बीजेपी की योगी सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। ने कहा कि भाजपा सरकार गुंडई कर रही है और नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को झूठे मुकदमे में फंसा रही है। इसके लिए समाजवादी पार्टी संघर्ष करेगी और संघर्ष के बल पर भाजपा को सत्ता से हटाएगी। शिवपाल ने कहा कि भाजपा सरकार अन्याय कर रही है। झूठे मुकदमे लगाना, बुलडोजर चलाना, किसी का घर गिरा देना, ठोक देने जैसी बात करना.. ये सब कहां का न्याय है। भाजपा सरकार निर्दोष लोगों को फर्जी मुकदमों में जेल भेज रही है। समाजवादी पार्टी उनके लिए लड़ेगी और सरकार बनने पर उनके मुकदमे वापस लिए जाएंगे। शिवपाल ने कहा कि हमारा एक लक्ष्य है- समाजवादी पार्टी को मजबूत करना। संघर्ष चलेगा और इसके बल पर परिवर्तन करना है।

राम नगरी में स्वर साधिका को देख लोग दे रहे ये प्रतिक्रिया

रामनगरी आने वालों को लुभा रहा लता मंगेशकर चौक

» अयोध्या में बने चौक पर लाउडस्पीकर पर बजती है राम भजन की धुन

» पीएम मोदी ने 28 सितंबर को डिजिटल माध्यम से किया था उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या के मध्य में स्थित लता मंगेशकर चौक स्थानीय लोगों और यहां आने वाले उन पर्यटकों के लिए एक पड़ाव बन गया है, जो चौराहे से राम मंदिर की ओर अपनी यात्रा शुरू करते हैं। स्वर साधिका के प्रशंसकों की संख्या यहां पर काफी ज्यादा देखने को मिल रही है। रोज यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। भारतरत्न दिवंगत लता मंगेशकर की 93वीं जयंती पर उनके सम्मान में राज्य सरकार द्वारा निर्मित चौक का उद्घाटन इसी वर्ष 28 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने डिजिटल माध्यम से किया था। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वहां मौजूद थे।

लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है चौक

लता मंगेशकर चौक, लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है, जिसके केंद्र में एक छोटा सा टैंक है, जिसके बीच से विशाल वीणा है, जो देखने वालों की जिज्ञासा को बढ़ाती है। यह वाद्य यंत्र भारतीय शास्त्रीय संगीत में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और इसे विद्या की देवी सरस्वती के वाद्य यंत्र के रूप में जाना जाता है। टैंक के अंदर लता मंगेशकर के 92 साल के लंबे जीवन के प्रतीक 92 सफेद संगमरमर के कमल हैं। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा कि परियोजना की निर्माण लागत लगभग 7.90 करोड़ रुपये थी।

राम वी सुतार ने डिजाइन किया वीणा

वीणा को पद्म पुरस्कार से सम्मानित राम वी सुतार ने डिजाइन किया है, जिन्हें गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के डिजाइन का श्रेय भी दिया जाता है। चौक के दोनों ओर पुलिस चौकी स्थित है। राम पथ के किनारे स्थित पुलिस चौकी के ठीक सामने एक एलसीडी स्क्रीन है जिस पर राम मंदिर निर्माण का एक एनीमेशन और दीप दीपावली समारोह के वीडियो दिखते हैं। यहां एक पुलिस चौकी है जिस पर अयोध्या पुलिस लिखा हुआ है। गोलचक्कर पर एक बस स्टैंड के बगल में भगवान राम और लक्ष्मण को लिए हुए भगवान हनुमान की 15 फुट ऊंची मूर्ति भी शहर में आने वालों के लिए एक आकर्षण का केंद्र है।

मध्य प्रदेश के ऊना के एक पर्यटक महेंद्र राणा ने कहा कि यह लता मंगेशकर जी को एक बड़ी श्रद्धांजलि है। हम सभी इसे देखकर वास्तव में प्रसन्न हैं। फैजाबाद की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित, चौक एक तरफ सरयू घाट (नया घाट) और राम पथ को जोड़ता है, जो निर्माणाधीन राम मंदिर की ओर जाता है। यहीं पर अधिकांश पर्यटक शहर और मंदिर की अपनी यात्रा शुरू करते हैं।

21 वर्षीय कॉलेज छात्र अजीत पांडे कहते हैं कि मैं अयोध्या से हूं, हम इस चौक को नया घाट चौक के नाम से जानते हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि अब इसे एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में विकसित किया गया है। हम यहां रुकते हैं और सोशल मीडिया पोस्ट के लिए तस्वीरें लेते हैं। गोलचक्कर पर लगी 14 टन वजनी 40 फुट लंबी वीणा के पास उन्होंने अपने दोस्त की तस्वीरें ली। लता मंगेशकर चौक पर लाउडस्पीकर पर राम भजन की धुन बजती है। कुछ बाहर की सीमा पर खड़े होते हैं जबकि अन्य अपनी आगे की यात्रा पर निकलने से पहले तस्वीरें और सेल्फी लेने के लिए अंदर आते हैं। झांसी निवासी अभिषेक पाल सिंह परिवार सहित गोलचक्कर पर कुछ देर रुके। उन्होंने कहा कि हम चार साल बाद अयोध्या आए हैं। चौक एक स्वागत योग्य बदलाव है। पिछली बार यह स्थान ट्रैफिक से भरा हुआ था। यहां कुछ तस्वीरें लेने के बाद, हम राम मंदिर जाएंगे और शाम को सरयू घाट पर आरती में शामिल होंगे। सुर साम्राज्ञी भारतरत्न लता मंगेशकर चौक की तस्वीर वाला एक पोस्टर स्टैंड पर लगा हुआ है। इसमें राम मंदिर की तस्वीर भी है। चौक के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि गायिका की आवाज की मिठास ने उन्हें हर बार मंत्रमुग्ध कर दिया था। उन्होंने कहा कि चाहे वह श्री रामचंद्र कृपालु भज मन, हरण भव भय दारुनम मंत्र हो या मीराबाई के पायो जी मैंने राम रतन धन पायो और महात्मा गांधी के पसंदीदा वैष्णव जन जैसे भजन हों। कई देशवासियों ने उनके गीतों के माध्यम से भगवान राम के दर्शन किए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुक्खू के सामने वादों की चुनौती

हिमाचल चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद जिस तरह से मुख्यमंत्री पद के लिए जोर आजमाइश शुरू हो गई थी, उससे लगा था कि कांग्रेस पार्टी में दरार आ सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे थे। मगर इसमें कई तकनीकी, व्यावहारिक और रणनीतिक दिक्कतें थीं। वे विधायक नहीं हैं, मंडी लोकसभा सीट से सांसद हैं। उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का मतलब था कि एक संसदीय सीट और एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने पड़ते। फिर सरकार चलाने के लिए केवल विरासत काम नहीं आती, उसके लिए नेतृत्व का गुण और सबको साथ लेकर चलने का कौशल भी होना चाहिए। दूसरी दावेदारी वहां के वरिष्ठ नेता मुकेश अग्निहोत्री की भी चल रही थी। मगर पार्टी आलाकमान ने बहुत सलीके से इस पेचीदगी को सुलझाया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंप कर संतुलन साधने का प्रयास किया।

सरकार चलाने के लिए केवल विरासत काम नहीं आती, उसके लिए नेतृत्व का गुण और सबको साथ लेकर चलने का कौशल भी होना चाहिए। दूसरी दावेदारी वहां के वरिष्ठ नेता मुकेश अग्निहोत्री की भी चल रही थी। मगर पार्टी आलाकमान ने बहुत सलीके से इस पेचीदगी को सुलझाया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंप कर संतुलन साधने का प्रयास किया।

एक स्वस्थ लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व की दावेदारी अच्छी बात है। मगर आजकल जिस तरह भारतीय राजनीति का मिजाज बदलता गया है, उसमें इस तरह राजनेताओं की जोर आजमाइश को पार्टी में अनुशासन की कमी माना जाने लगा है। हालांकि लोकतंत्र के लिए एक अच्छी मिसाल यह भी देखी गई कि विधायकों ने खुद हिमाचल से बाहर जाकर नहीं, बल्कि वहीं रहकर मामले को निपटाने पर जोर दिया और केंद्रीय नेतृत्व पर भरोसा जताया। शपथ ग्रहण के बाद दोनों नेताओं ने साथ मिल कर हिमाचल की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प दोहराया। हालांकि नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री में राजनीतिक तालमेल का अभाव और वर्चस्व की लड़ाई नहीं दिखी, जिसके आधार पर किसी तरह की आशंका जताई जा सके। उपमुख्यमंत्री पद वीरभद्र सिंह के करीबी रहे मुकेश अग्निहोत्री को देकर एक तरह प्रतिभा सिंह को भी संतुष्ट किया गया है। मगर राजनीति में चुनौतियां कभी खत्म नहीं होतीं। हिमाचल की नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन वादों को पूरा करना, जो चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने किए थे। पुरानी पेंशन योजना लागू करना, फल उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, उनकी उपज की वाजिब कीमत दिलाना और नई नौकरियां देना हैं। जिन राज्यों का मिजाज बारी-बारी से सरकार बदलने का होता है, वहां सरकारों के सामने बेहतर प्रदर्शन की चुनौतियां हमेशा बनी रहती हैं। हालांकि सुखविंदर सिंह सुक्खू अनुभवी और संतुलित नेता हैं, मगर उनकी असली कसौटी इन वादों पर खरा उतरने की है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस में आलाकमान हावी

प्रभु चावला

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में बदलाव के बावजूद हालात पहले जैसे ही दिखते हैं। बीते महीनों में कांग्रेस ने लीक से हटते हुए कुछ अलग करने की कोशिश की है। इसने गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति को अध्यक्ष चुना है तथा स्थायी रूप से प्रतीक्षारत अध्यक्ष राहुल गांधी साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं। वे यात्रा कार्यक्रम पर टिके हुए हैं तथा उन्हें पार्टी समर्थकों से अभूतपूर्व समर्थन मिला है। देश-विदेश के आदतन सामाजिक कार्यकर्ता भी फोटो खिचवाने के लिए उनकी पीठ पर चढ़े हुए हैं। पार्टी छोड़ने के मामलों में कमी आयी है, लेकिन पार्टी को अब भी गांधी परिवार ही संचालित करता है, यह धारणा बनी हुई है।

मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी प्रमुख हैं, पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सुखविंदर सिंह सुक्खू के चयन से स्पष्ट है कि परिवार ही अंतिम निर्णय लेता है। उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका की उपस्थिति से इस धारणा को बल मिला है। पार्टी के नीति के अनुसार एक व्यक्ति एक ही पद पर रह सकता है। पार्टी अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी की पहली पसंद अशोक गहलोत को जब एक पद चुनने को कहा गया, तो उन्होंने मुख्यमंत्री बने रहना चुना, लेकिन खरगे ने अभी तक राज्यसत्ता में नेता विपक्ष के पद से इस्तीफा नहीं दिया है। सोनिया गांधी के उत्तराधिकारी के रूप में वे अपने बारे में खुद फैसला नहीं कर सकते हैं। यह मामला कांग्रेस के लिए मुश्किल हो सकता है। अगले साल के शुरू में कर्नाटक में चुनाव होगा। पार्टी में ऐसी चर्चा है कि गांधी परिवार अपने पसंदीदा दलित चेहरे को हटाने को लेकर असमंजस में है। वह ऐसे निष्ठावान व्यक्ति की तलाश में है, जो भाजपा द्वारा दिये गये लालच में न फंसे। ऐतिहासिक रूप से राज्यसभा में पार्टी ने ऊंची जाति के व्यक्ति को शायद ही नेता बनाया है। जनता पार्टी के शासन काल में कमलापति त्रिपाठी आखिरी ऐसे व्यक्ति थे। उसके बाद यह पद दलित या अल्पसंख्यक नेताओं को मिला है। मनमोहन सिंह 1998 से 2004 तक इस पद पर रहे थे। साल 2014 में भाजपा से बड़ी हार के बाद लोकसभा में खरगे और राज्यसभा में गुलाम नबी आजाद ने विपक्ष का नेतृत्व किया। जब खरगे को राज्यसभा में नेता बनाया गया, तो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को बड़ा अचरज हुआ था।

पार्टी के उपनेता आनंद शर्मा को वह पद नहीं दिया गया। कांग्रेस के पास दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, प्रमोद

तिवारी और राजीव शुक्ला जैसे बड़े नेता हैं, पर वे या तो अभिजात्य हैं या ऊंची जातियों से आते हैं। परिवार खरगे की जगह मुकुल वासनिक या केसी वेणुगोपाल को नेता बना सकता है। स्पष्ट है कि भरोसेमंद सांसद के गुणों, जैसे प्रतिभा और योग्यता, का गांधी परिवार की कार्य-शैली में कोई स्थान नहीं है। हिमाचल प्रदेश की हार ने डबल इंजन की सरकार के भाजपा के नारे की हवा निकाल दी है। बेहतर विकास के लिए केंद्र और राज्य में एक ही दल को वोट देने का आग्रह भाजपा करती रही है। पार्टी के भीतर इस चुनावी सूत्र के घटते असर पर चर्चा होने लगी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कौन-सा इंजन पार्टी को जीत दिलाने में असफल रहा। प्रधानमंत्री मोदी वास्तव में इसके सबसे ताकतवर इंजन हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने प्रचार में अधिक समय दिया होता, तो हिमाचल में जीत मिल जाती। इससे संकेत मिलता है कि जयराम ठाकुर मुख्यमंत्री के रूप में दमदार दूसरे इंजन नहीं थे। दूसरी ओर भाजपा ने गुजरात में लगातार सातवीं बार जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल दूसरे इंजन नहीं थे। वहां मोदी ही वाहन को तेजी से चला रहे थे, लेकिन गुजरात मॉडल हर जगह लागू नहीं हो सकता है। मोदी की दूसरी बड़ी जीत के बावजूद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और असम के अलावा डबल इंजन का आख्यान कई राज्यों में कारगर नहीं हुआ है। केसरिया खेमा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार नहीं बना सका तथा हरियाणा, कर्नाटक और गोवा में उसे बहुमत नहीं मिला। उसे दिल्ली में दो बार और बिहार में एक बार हार मिली। भाजपा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को डबल इंजन पर नहीं रिझा सकी। पंजाब में तो उसे बड़ा धक्का लगा। विधानसभा चुनाव में मतदाता अपने राज्य को आगे बढ़ाने वाला इंजन चुनते हैं।

उनके लिए मोदी राष्ट्रीय अभियान के पहले इंजन हैं, जो शक्तिशाली हैं। मतदाता स्थानीय नेताओं पर ऐसा भरोसा नहीं करते। साल 2024 के चुनाव से पहले एक दर्जन से अधिक राज्यों में चुनाव हैं। इसमें डबल इंजन आख्यान को आगे ले जाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगी। जब तक भाजपा मोदी की क्षमता जैसा दूसरा इंजन नहीं खोजती, जीत पाना बहुत कठिन होगा। सत्ता के गलियारों की सुगबुगाहट से परिचित लोग अनुमान लगा रहे हैं कि मोदी कुछ मंत्रियों की छुट्टी कर सकते हैं, जो ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं या फिर मोदी पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

फांसी के फंदे भी नहीं तोड़ पाये थे उनके हौसले

कृष्ण प्रताप सिंह

क्रांतिकारियों को लगता था कि वह उन्हें मौत क्या, कोई भी बड़ी सजा नहीं दिला पायेगी, लेकिन इस पर जेल में वे सब नाटक के खेल करते थे और जज बना क्रांतिकारी रौशन को मामूली सजा सुनाता, तो वे बिफर कर हंगामा करने लगते। छह अप्रैल, 1927 को जज ने उन्हें सचमुच सजा सुनानी शुरू की, तो उन्हें लगा कि वास्तव में उन्हें बहुत कम सजा सुनायी गयी है। उन्होंने ऊंची आवाज में जज से कहा, 'मुझे बिस्मिल से कम सजा न सुनायी जाए।' जब उनके साथियों ने बताया कि उन्हें बिस्मिल जितनी ही सजा सुनायी गयी है, तो वे आह्लादित होकर बिस्मिल के गले लगकर बोले, 'तुम मुझे छोड़ कर फांसी चढ़ना चाहते थे, लेकिन मैं तुम्हें वहां भी नहीं छोड़ने वाला।' गोरी सत्ता ने दोनों को अलग-अलग जेलों में फांसी पर लटका कर उनका यह अरमान पूरा नहीं होने दिया।

मदांध गोरी सत्ता ने 1927 में 19 दिसंबर को चंद्रशेखर आजाद के प्रधान सेनापतित्व वाली हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी के तीन क्रांतिकारियों- पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां और रौशन सिंह को क्रमशः गोरखपुर, फैजाबाद और इलाहाबाद की जेलों में शहीद कर दिया था। उन्होंने क्रांतिकारी आंदोलन के लिए धन जुटाने के अभियान में नौ अगस्त, 1925 को यात्री गाड़ी से ले जाया जा रहा सरकारी खजाना लखनऊ में काकोरी रेलवे स्टेशन के पास अपने कब्जे में ले लिया था। उस कार्रवाई पर मुकदमे के लंबे नाटक के बाद उसने इन तीनों सहित राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को भी मौत की सजा दी थी। कई अन्य क्रांतिकारियों को लंबी कैद की सजा दी गयी थी, लेकिन फांसी के फंदे भी इन क्रांतिकारियों का हौसला नहीं तोड़ पाये। इनमें रौशन सिंह उम्र में सबसे बड़े थे। उन्होंने काकोरी एक्शन में भाग ही नहीं लिया था, गोरी पुलिस फिर भी उन्हें सजा दिलाने पर तुली हुई थी।

क्रांतिकारियों को लगता था कि वह उन्हें मौत क्या, कोई भी बड़ी सजा नहीं दिला पायेगी, लेकिन इस पर जेल में वे सब नाटक के खेल करते थे और जज बना क्रांतिकारी रौशन को मामूली सजा सुनाता, तो वे बिफर कर हंगामा करने लगते। छह अप्रैल, 1927 को जज ने उन्हें सचमुच सजा सुनानी शुरू की, तो उन्हें लगा कि वास्तव में उन्हें बहुत कम सजा सुनायी गयी है। उन्होंने ऊंची आवाज में जज से कहा, 'मुझे बिस्मिल से कम सजा न सुनायी जाए।' जब उनके साथियों ने बताया कि उन्हें बिस्मिल जितनी ही सजा सुनायी गयी है, तो वे आह्लादित होकर बिस्मिल के गले लगकर बोले, 'तुम मुझे छोड़ कर फांसी चढ़ना चाहते थे, लेकिन मैं तुम्हें वहां भी नहीं छोड़ने वाला।' गोरी सत्ता ने दोनों को अलग-अलग जेलों में फांसी पर लटका कर उनका यह अरमान पूरा नहीं होने दिया।

बिस्मिल को चुपचाप फांसी पर चढ़ जाना अभीष्ट नहीं था। वे चाहते थे कि जैसे भी मुमकिन हो, जेल से बाहर निकलें। आखिरी दिनों में उन पर पहरा इतना कड़ा कर दिया गया था कि बिस्मिल के लिए अपने साथियों को कोई साधारण संदेश भेजना भी संभव नहीं होता था। तब उन्होंने शायरी में ऐसा संदेश भेजा, जिसे अधिकारियों ने प्रेम की निर्मल अभिव्यक्ति समझ कर बाहर चले जाने दिया। वह संदेश था- 'मिट गया जब मिटने वाला फिर सलाम आया तो क्या / उस घड़ी गर नामाबर लेकर पयाम आया तो क्या?' मतलब यह था कि उन्हें निकालने के लिए जो कुछ भी करना है, जल्दी करना होगा। पर साथियों द्वारा कुछ नहीं किया जा सका। स्वाभाविक ही बिस्मिल इससे निराश हुए। फिर भी शहादत से ऐन पहले उन्होंने इस उद्देश्य से व्यायाम किया था कि उनका मानना था कि उनका शरीर भारतमाता के चरणों में अर्पित होने जा रहा फूल है और अर्पित होते वक्त उसे कहीं से भी उदास या मुरझाया हुआ नहीं, बल्कि पूरी तरह स्वस्थ और सुंदर होना चाहिए।

उन्हें राम कह कर पुकारने और उनसे अपनी मित्रता पर गर्व करने वाले अशफाकउल्लाह खां ने फैजाबाद की जेल में अपनी शहादत से पहले ईश्वर से प्रार्थना की थी- 'ऐ मेरे पाक खुदा, मेरे गुनाह माफ फरमा। माफी अता फरमा और हिंदुस्तान की सरजमीं पर आजादी का सूरज जल्द तुलुअ फरमा। यह प्रार्थना उन्होंने कुरान की अपनी प्रति पर दर्ज की थी। इनके चौथे साथी राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को गोंडा की जेल में इनसे दो दिन पहले 17 दिसंबर को ही फांसी दे दी गयी थी, क्योंकि गोरों को आशंका थी कि उन्नीस दिसंबर की तय तारीख से पहले हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी के क्रांतिकारी जेल पर धावा बोल सकते हैं। कहते हैं कि खुफिया सूत्रों ने रिपोर्ट दी थी कि चंद्रशेखर आजाद ने अपने कुछ सैनिकों के साथ इसकी पक्की योजना बना रखी है। बिस्मिल की तरह लाहिड़ी ने भी फांसी के दिन तक व्यायाम का सिलसिला टूटने नहीं दिया था। उस सुबह एक अधिकारी ने उन्हें व्यायाम करते देख कर हैरत से पूछा कि अब जब कुछ ही घंटों में उनका माटी का चोला माटी में मिल जाना है, तो उनके यूं पसीना बहाने का फायदा क्या है? इस पर लाहिड़ी ने तमक कर जवाब दिया था, 'मैं व्यायाम इसलिए कर रहा हूं कि अगले जन्म में मुझे और बलशाली शरीर मिले और भारतमाता को स्वाधीन कराने का जो काम इस जीवन में पूरा नहीं कर पाया, उसे पूरा कर सकूं।' फिर फांसी का फंदा चूमते हुए उन्होंने कहा था कि वे मरने नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत में फिर से जन्म लेने जा रहे हैं।

सर्दियों में बहुत फायदेमंद है

गाजर का जूस

कई समस्याओं से राहत दिलाता है जूस

सर्दियों के मौसम में कई तरह की सब्जियां और फल मिलते हैं। खाने-पीने के शौकीन लोगों को इस मौसम का बेसब्री से इंतजार होता है। इस सीजन में रंग-बिरंगे गाजर भी खूब मिलती हैं। लोग इसे खाने में कई तरीके से शामिल करते हैं। कुछ लोग गाजर का सलाद, सब्जी या अचार खाना पसंद करते हैं, तो किसी को गाजर का हलवा बेहद पसंद होता है। सर्दियों में सेहतमंद रहने के लिए आप गाजर का जूस भी पी सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं, गाजर के जूस पीने से क्या लाभ मिलते हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद

गाजर का जूस पीने से सेहत के साथ स्किन भी ग्लो करती है। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन और विटामिन-ए स्किन को डैमेज होने से बचा सकते हैं।

हार्ट के लिए है हेल्दी

गाजर के जूस में पोटैशियम और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसके नियमित सेवन से ब्लड प्रेशर बैलेंस में रहता है और हार्ट संबंधित अन्य समस्याओं का रिस्क भी कम हो सकता है।

वजन कम करने में सहायक

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में गाजर का जूस जरूर शामिल करें। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो वजन कम करने में मददगार है। गाजर का जूस पीने से पेट देर तक भरा रहता है, जिससे आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं।

आंखों की रोशनी के लिए है फायदेमंद

शरीर में विटामिन ए की कमी से आंखों की समस्याएं हो सकती हैं। गाजर में यह विटामिन पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। स्वस्थ आंखों के लिए आप नियमित रूप से गाजर के जूस का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड शुगर करता है कंट्रोल

जिन लोगों को ब्लड शुगर की समस्या है, उन्हें डेली डाइट में गाजर का जूस शामिल करना चाहिए। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है। जो डायबिटीज के मरीज के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

हंसना मना है

पति (किताब पढ़ते हुए): एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए...!!! पत्नी (हंसते हुए) : देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...!!!

ज्योतिषी मुन्ना का हाथ देखकर: बेटा तुम बहुत पढ़ोगे। मुन्ना: पढ़ तो मैं 4 साल से रहा हूं, ये बताओ कि पास कब होऊंगा।

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं, कंडक्टर: अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए, फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का: ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्युंकि मैं एक शेर कि औलाद हुं। लड़की: अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी।

लडका : मैं उस लडकी से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका: मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

महिला: डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूँ? डॉक्टर: उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

कहानी | लोमड़ी और सारस

बहुत पुरानी बात है, एक जंगल में एक लोमड़ी और एक सारस रहते थे। ये दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। सारस रोजाना लोमड़ी को तालाब से मछली पकड़ कर खाने के लिए देता था। इस प्रकार दोनों की दोस्ती बहुत गहरी होती चली गई। सारस बहुत सीधा साधा था, लेकिन लोमड़ी बहुत शैतान और चालाक थी। वह हमेशा दूसरों को परेशान किया करती थी। उसे दूसरों का अपमान करने और मजाक उड़ाने में बहुत मजा आता था। एक दिन उसने सोचा कि क्यों न एक बार सारस का भी अपमान किया जाए और उसका मजाक उड़ाया जाए। ऐसा सोचकर उसने सारस को दावत पर बुलाया। उसने जान बूझकर सूप एक प्लेट में परोसा। उसे पता था कि सारस प्लेट में से सूप को नहीं पी सकता। उसे सूप न पीता देख लोमड़ी मन ही मन बहुत खुश हुई और झूठी चिंता दिखाते हुए सारस से पूछने लगी कि क्या बात है मित्र सूप पसंद नहीं आया क्या? सारस बोला नहीं मित्र, यह तो बहुत स्वादिष्ट है। सारस ने जब देखा कि सूप को प्लेट में परोसा गया है और लोमड़ी जान बूझकर उससे सवाल कर रही है, तो वह सब समझ गया, लेकिन कुछ नहीं बोला। उस दिन सारस को अपमान सहने के साथ ही भूखा भी रहना पड़ा, लेकिन जाते-जाते सारस ने भी उसे अपने यहां दावत पर बुलाया और लोमड़ी दूसरे ही दिन सारस के घर दावत पर पहुंच गई। सारस ने भी दावत में सूप बनाया था और लोमड़ी के साथ लंबी चोंच वाले अन्य पक्षियों को भी बुलाया था। सारस ने सूप को सुराही में परोसा। सुराही का मुंह इतना छोटा था कि उसमें बस चोंच ही अंदर जा सकती थी। लोमड़ी पूरा टाइम सुराही और अन्य सभी पक्षियों को सूप पीते देखती रही। इसी बीच सारस ने पूछा कि क्या बात है मित्र सूप अच्छा नहीं लगा क्या, लोमड़ी को अचानक अपने शब्द याद आ गए। सभी बोले कि सूप बहुत स्वादिष्ट है। लोमड़ी को भी सभी की हां में हां मिलाना पड़ा। यह सब देख लोमड़ी अपने आप में बहुत अपमानित महसूस कर रही थी, लेकिन कुछ कह नहीं सकी।

7 अंतर खोजें

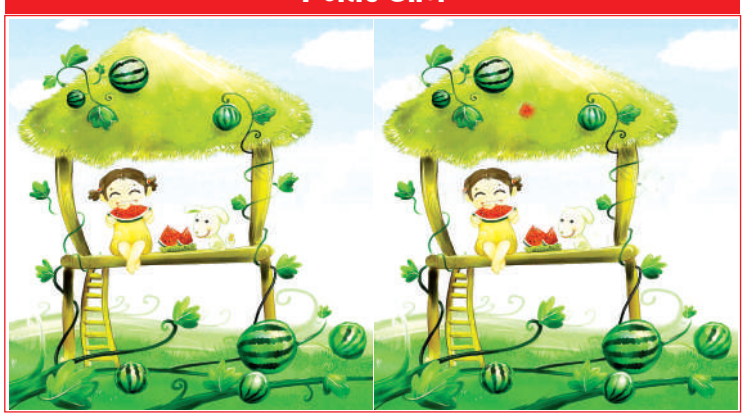

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा। जिन बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है।

वृषभ

आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है। ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी।

मिथुन

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे। हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे?

कर्क

आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा। सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे। इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें।

सिंह

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है। आप आज शांत किन्तु दृढ़ हैं। आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं।

कन्या

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा। विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खींचेंगी।

तुला

आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है। आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है।

वृश्चिक

संचार कुशलता आपकी विशेषता है, आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं।

धनु

आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं। अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएं।

मकर

आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा। आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का खुद कारण बनेगा।

कुम्भ

आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी। कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी।

मीन

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं। दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं। अपनी खुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है।

विवेक ओबेरॉय बोले- घर जैसा है पोखरा

बॉलीवुड फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय का परिवार इस समय एक सप्ताह के लिए नेपाल के पोखरा में है। वह बृहस्पतिवार को पोखरा आए और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने मंगलवार को सारंगकोट से पैराग्लाइडिंग की। स्काईलाइन पैराग्लाइडिंग की भुवनगहा मागर की टीम ने उनके साथ उनके परिवार के 10 सदस्यों को पैराग्लाइडिंग पर सैर कराई। इसके बाद उनका परिवार मझेरीपाटन में हिमालय गोल्फ कोर्स गया। अभिनेता

खाने की तारीफ करते हुए कहा- भारत और नेपाल के बीच सदियों से रोटी और बेटी का रिश्ता है।

विवेक ओबेरॉय ने बताया कि पोखरा घर जैसा लग रहा है। उन्होंने यहां के खाने की तारीफ करते हुए कहा कि भारत और नेपाल के बीच सदियों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। हमारे सांस्कृतिक संबंध, नेपालियों के साथ सैकड़ों वर्षों के प्यार और विश्वास ने भी हमें सहज बना दिया है। मैं इस आतिथ्य के लिए नेपाली जनता का आभार व्यक्त करता हूं। विवेक ने स्काईलाइन पैराग्लाइडिंग के मालिक भुवनगहा मागर के साथ पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण लेने के लिए भविष्य में पोखरा आने की इच्छा जताई।

मुंबई में जुटीं देश-विदेश की सिनेमाई शख्सियतें

बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सीज़न-3 का दो दिवसीय आयोजन मुंबई में हुआ। इसमें देश-विदेश से आई अनेक सिनेमाई शख्सियतें जुटीं। फेस्टिवल में देश विदेश की बेहतरीन फिल्में, शॉर्ट फिल्म व डॉक्यूमेंट्रीज दिखायी गईं। बॉलीवुड एक्टर यशपाल शर्मा एवं बॉलीवुड डायरेक्टर प्रतिभा शर्मा ने फेस्टिवल का संचालन किया।

बॉलीवुड मसाला

मुंबई के ओशिवारा हारमनी मॉल अंधेरी में आयोजित फेस्टिवल में दोनों दिन दिखाई जाने वाली लगभग सभी फिल्में सामाजिक मुद्दों पर आधारित थीं। यशपाल शर्मा तथा प्रतिभा शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि आज के कमर्शियल दौर में बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का एक ही उद्देश्य है कि दर्शकों तक ज्यादा से ज्यादा स्तरीय व बेहतरीन फिल्में पहुंचाएं। फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन का आगाज मौर्या फिल्म से हुआ। जितेंद्र पुंडालिक बेर्डे की सामाजिक फिल्म मौर्या, मेक्सिको से एलिजाबेथ मार्लो की मोबाइल फिल्म टाइम, इंडिया से संजीव राजसिंह परमार की लॉन्ग शॉर्ट हिंदी फिल्म फीस्ट फॉर बेंडिट, इंडिया से ही डायरेक्टर अक्षय गौरी की लॉन्ग शार्ट फिल्म बी होल्डन को दिखाया गया। दूसरे दिन हिंदी फीचर फिल्म गुठली लड्डू, हिंदी शॉर्ट फिल्म डुग्गी दिखाई गई। शार्ट फिल्म कैटेगरी में ही यू चेंज मी, मीट मिस्टर चैंग दिखाई गई। कार्यक्रम में उत्तम सिंह, मनीष शिर्के, मीनाक्षी पांचाल, सन्नी सिंह, सुमित्रा हुड्डा रामपाल बल्हारा राजेश बब्बर, प्रवेश राजपूत, मनीष जोशी, कुणाल कुमरावत, मास्टर प्रणय, लक्ष्मी सिंह जैसी सिनेमा जगत से जुड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। बेस्ट एनिमेशन फिल्म के लिए फिल्म के डायरेक्टर बेलोप्रोपेलो, बेस्ट मोबाइल फिल्म के लिए उनके डायरेक्टर एलिजाबेथ मार्लो को अवार्ड दिया गया।

अवार्ड के दौरान प्रतिभा शर्मा, डॉ. तबस्सुम जहां, डॉ. अल्पना सुहासिनी, समीर चौधरी, सुनील बेनीवाल, विशाल, पूजा, प्रतिभा फड़के, मीनाक्षी, दलबीर सिंह बंजारा, पूजा, राजेश को सम्मानित किया गया। फेस्टिवल का संचालन बिफ्फ की एंकर डॉ. अल्पना सुहासिनी तथा समीर चौधरी ने किया।

बॉलीवुड | मन की बात

मलाइका से नाराज अमृता बोलीं- तुमने मेरी भावनाओं की नहीं की कोई परवाह

शो मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने टॉक शो मूविंग इन विद मलाइका को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में अबतक कई सारे मेहमान शिरकत कर चुके हैं। हाल ही के एपिसोड में मलाइका ने बेटे अरहान और बहन अमृता को लंच के लिए बुलाया। इस दौरान मलाइका की मां जॉइस पालीकार्प भी वहां मौजूद रहीं। बातचीत का सिलसिला शुरू ही हुआ था कि अमृता के गुस्से ने सभी को चौंका दिया। अमृता ने मलाइका के शो और स्टैंडअप कॉमेडी पर अपनी नाराजगी जाहिर की। मलाइका और अमृता का झगड़ा देख अरहान भी शांत बैठे रहे। अमृता ने मलाइका से कहा कि मैंने उस दिन कुछ नहीं कहा, लेकिन तुम्हें सोचना चाहिए था। तुम पूरे समय मेरा मजाक बनाती रहीं। मेरे बड़े कपड़ो के बारे में, अमीर पति के बारे में..। अगर ऐसा था तो तुम मुझे कॉल करके पूछ सकती थीं कि मुझे इन सब बातों से परेशानी होगी या नहीं। तुमने मेरी भावनाओं की परवाह नहीं की। अमृता की बातें मलाइका ने भी शांति से सुनी और फिर कहा कि स्टैंडअप ऐसे ही होता है। तब अमृता का गुस्सा और बढ़ गया और एक्ट्रेस ने मलाइका की बात बीच में काटते हुए कहा कि क्या स्टैंडअप में किसी एक को निशाना बना कर उसपर चढ़ जाते हैं? मैं ऐसे पांच मौके बता सकती हूं जब तुमने ऐसा किया है। इतना बोलने के बाद गुस्साई अमृता ने खाना छोड़ दिया। वह डाइनिंग टेबल से उठ कर सोफे पर चली गईं। तब अरहान अपनी मासी को मनाने उनके पास गए। बाद में मलाइका ने भी अमृता से माफी मांग ली और मामला वहीं शांत हो गया।

अजब-गजब | **मौत के बाद यहां पेड़ में बदल जाते हैं बच्चे**

पेड़ के तने में दफनाते हैं बच्चों के शव

दुनिया में आज भी ऐसी कई जनजातियां मौजूद हैं जो हजारों साल पुरानी अजीबोगरीब परंपराओं का पालन कर रही है। जहां लोग विकास और आधुनिकता को अपना रहे हैं, वहीं ये आदिवासी जनजातियां अभी भी दूसरे लोगों से कटी हुई हैं और अपनी परंपराओं के अनुसार ही जीवन जी रहे हैं। इनकी कुछ परंपराएं बेहद अजीबोगरीब होती हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। आज हम आपको ऐसी एक जनजाति और उसकी अजीबोगरीब परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं।

यह जनजाति इंडोनेशिया में रहती है। यह परंपरा इंडोनेशिया के ताना तरोजा में निभाई जाती है। यहां लोग अपने बच्चों का अंतिम संस्कार बड़े अजीबोगरीब तरीके से करते हैं। यहां पर लोग बच्चों की मौत के बाद उनके शव को पेड़ के तने में दफनाते हैं। इस जगह पर शव को पेड़ के अंदर दफनाने की परंपरा है। यहां के निवासी बड़ों का अंतिम संस्कार तो आम तरीके से ही करते हैं, लेकिन बच्चों की मौत होने पर इस परंपरा का पालन करते हैं। दरअसल, इन लोगों को अपने बच्चों की मौत का शोक तो होता है लेकिन वह अपने बच्चे को प्रकृति के साथ जोड़ते हैं। अपने बच्चे को प्रकृति के साथ जोड़ने पर लोग गर्व महसूस करते हैं। इंडोनेशिया के इस इलाके में बच्चों के शव को दफनाने के लिए लोग यह तरीका अपनाते हैं। यहां के लोग अपने बच्चों के शव को दफनाने के लिए पेड़ के तने को खोखला कर देते हैं। इसके बाद बच्चे के शव को कपड़े में लपेटकर पेड़ के तने में डाल देते हैं। इसकी वजह से शव धीरे-धीरे प्राकृतिक तरीके से पेड़ का ही हिस्सा बन जाता है। लोग बताते हैं कि ऐसे दुनिया से जाने के बाद पेड़ के रूप में हमेशा वहां रहता है। अपने बच्चों को लोग पेड़ के तने में दफनाते हैं और पेड़ को अपना बच्चा समझते हैं। पेड़ों के अंदर खोखली जगह को यहां रहने वाले लोग बनाते हैं।

वह मानते हैं कि भले ही भगवान ने उनका बच्चा उनसे छीन लिया हो, लेकिन इस परंपरा की वजह से उनका बच्चा उनसे दूर नहीं जाता है। बच्चे हमेशा अपने मां-बाप के पास रहते हैं।

चुरू के लांबा की ढाणी गांव में नहीं है एक भी मंदिर

राजस्थान के चुरू जिले के ये गांव बेहद ही अनोखा है, यहां रहने वाले भगवान में अपनी आस्था तो रखते हैं, लेकिन इसके बावजूद इस गांव में एक भी मंदिर नहीं है। यहां रहने वाले लोगों का कहना और मानना है कि इंसान धार्मिक कर्मकांडो से बजाए अपनी मेहनत और लगन पर ज्यादा ध्यान दें। जानकारी के अनुसार, लांबा की ढाणी की गांव में केवल 105 घर हैं, जिसमें 10 घर मेघवालों के, 91 घर जाटों के और 4 घर नायकों के हैं। इस गांव के सभी लोग पूजा-पाठ और धार्मिक कामों के बजाए अपने कर्म को महत्व देते हैं। गांव के लोग कहते हैं कि उनका काम ही उनकी पूजा है। शायद इसी वजह से यहां रहने वाले लोग अपने जीवन में काफी सफल हैं। इस गांव के 30 लोग सेना में, 30 लोग पुलिस में, 17 लोग रेलवे में और 30 लोग चिकित्सा क्षेत्र में काम करके अपने इस अनोखे गांव का नाम रोशन कर चुके हैं। इसके अलावा गांव के पांच युवकों ने खेल क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा राजस्थान के इस गांव में इंसान के मरने के बाद उसकी अस्थियों के साथ कुछ ऐसा किया जाता है, जिस पर विश्वास करना और उसके बारे में सोचना हमारे लिए नामुमकिन है। हिंदू धर्म में मरने के बाद के शव का अंतिम संस्कार किया जाता है और मृतक का शरीर जलाने के बाद उसकी अस्थियों को किसी भी पवित्र नदी में बहा दिया जाता है। ये रीति-रिवीज और पंरपराएं सदियों से चलती आ रही हैं, जो आगे भी ऐसे ही चलती रहेंगी, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां इंसान के मरने के बाद उसकी अस्थियों के साथ कुछ ऐसा किया जाता है, जिस पर विश्वास करना और उसके बारे में सोचना हमारे लिए नामुमकिन है।

औसत तापमान में 0.92 डिग्री की बढ़ोतरी

» दुनिया के शीर्ष 10 सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने के लिए तैयार 2022

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में हिमालय में बहुत अधिक हिमपात नहीं हुआ है। देश में अगर दिसंबर में भी अधिक सर्दी नहीं पड़ती है तो 2022 सबसे सबसे गर्म वर्षों में से एक होगा। लेकिन वास्तव में कितना गर्म? पिछले सप्ताह नासा के द्वारा जारी तापमान के जरिए हमें पूरी दुनिया में मौसम का अनुमान लगा सकते हैं। यहां वह डाटा है जो 2022 में तापमान के बारे में दर्शाता है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 के पहले 11 महीनों में इस वर्ष सामान्य से 0.92 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म रहा है। डाटा को देखा जाए तो यह नवंबर तक की अवधि के लिए 1880 के बाद से 2022 को पांचवां सबसे गर्म वर्ष बनाता है। वैश्विक स्तर पर इस डाटा की सटिकता की पुष्टि नहीं की जा सकती है। हालांकि, 37 देशों में से 10 (जैसे पुर्तगाल, इटली और तुर्की) जिनके लिए यह विश्लेषण संभव था, जो कि 1950 के बाद से अपने शीर्ष दस सबसे गर्म दिसंबर का अनुभव कर रहे हैं। निश्चित रूप से, ब्रिटेन जहां मौसम केवल इस सप्ताह हल्का हो गया है, औसतन एक अनुभव कर रहा है दिसंबर अब तक सामान्य से तीन डिग्री अधिक ठंडा रहा। इस साल अक्तूबर तक के सभी महीने रिकॉर्ड किए गए इतिहास में शीर्ष 10 सबसे गर्म महीनों में से थे। छह महीने शीर्ष पांच सबसे गर्म महीनों में से थे और जून, जुलाई, अगस्त शीर्ष दो सबसे गर्म थे। नवंबर एक अपवाद था जो कि 2022 में 14वां सबसे गर्म था, क्योंकि दक्षिणी गोलार्ध वसंत (यह सितंबर से नवंबर तक चलता है) अपेक्षाकृत ठंडे नोट पर समाप्त हुआ।

ला नीना की घटना-ताकत की ओएनआई से माप

हालांकि, जिस लिहाज से 2022 गर्म रहा है वह वास्तव में खतरनाक है। 2022 ला नीना का लगातार तीसरा वर्ष है। इसका मतलब यह है कि 2022 जितना ठंडा रहा है, उससे कहीं ज्यादा ठंडा होना चाहिए था। ला नीना की घटना और ताकत को ओशनिक नीनो इंडेक्स (ओएनआई) द्वारा मापा जाता है, जो ऊपर वर्णित प्रशांत महासागर के क्षेत्र में तापमान विचलन का तीन महीने का औसत है। ओएनआई जितना अधिक नकारात्मक होगा, ला नीना उतना ही मजबूत होगा। इस साल ओएनआई हमेशा -0.8 से ज्यादा नेगेटिव रहा है। पिछली बार, ओएनआई के ऐसे मूल्य 2011 में थे, जो 1880 के बाद से केवल 18 वें सबसे गर्म (जनवरी-नवंबर तापमान तक) स्थान पर है।

कोहरे का असर : बदला गया स्कूलों का समय

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में घने कोहरे का असर दिखने लगा है। कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। कई स्थानों पर सड़क दुर्घटना की खबरें सामने आई हैं। ऐसे में जिला प्रशासन के स्तर पर अब स्कूलों के टाइमिंग में बदलाव की घोषणाएं शुरू हो गई हैं। कई जिलों में बुधवार से ही स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया गया है। गाजियाबाद जिला प्रशासन ने स्कूलों के टाइमिंग में बड़ा बदलाव कर दिया है। अब सुबह 9:30 बजे से स्कूलों की कक्षाएं शुरू होंगी। वहीं उन्नाव जिला प्रशासन ने भी स्कूल टाइमिंग में बदलाव किया है। अन्य जिलों में भी स्कूलों के समय में बदलाव की तैयारी की जा रही है। बढ़ती सर्दी और कोहरे को देखते हुए 12वीं कक्षा तक के स्कूल सुबह 9:00 बजे से खुलेंगे। डीएम राकेश कुमार सिंह के आदेश पर जिला स्कूल निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत यूपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा शिक्षा बोर्ड, संस्कृत स्कूलों समेत सभी स्कूलों पर इसे कड़ाई से लागू कराने का आदेश दिया गया है।

गोमती नदी में गिरी कार दो की मौत, दो लापता

» घर से पालतू कुत्ते को निकले थे टहलाने, रेस्क्यू जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को देर रात एक बड़ा हादसा हो गया है। गोमतीनगर के समता मूलक चौराहे के पास गोमती नदी के किनारे कुत्ते को टहलाने आए कार सवार चार लोग नदी में डूब गए, जिसमें दो लोगों को स्थानीय युवकों की मदद से बचा लिया गया। हालांकि एक युवती, युवक और कुत्ता नदी में डूब गए। फिलहाल, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से दोनों की तलाश की जा रही है। इस हादसे पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है।

ज्वाइंट सीपी पीयूष मोर्डिया ने बताया कि एक कार में चार लोग कुत्ते के साथ जा रहे थे। तभी पानी का बहाव के चलते गाड़ी फिसल कर नदी में डूब गई। हादसे में नदी में डूबे दो लोगों की तलाश की जा रही है। जेसीपी के मुताबिक, विकासनगर निवासी अभिषेक दुबे और सीतापुर निवासी दुष्यंत शुक्ला को घटनास्थल पर मौजूद समीर ने साथियों के साथ रस्सी की मदद से सकुशल बाहर निकाला है। अभिषेक ने बताया कि हम लोग रोजाना कुत्ते को टहालने आते थे। आज पानी में बहाव तेज होने के कारण कार फिसलने लगी, तो संभाल नहीं पाए सीधा नदी में डूब गए। वहां से गुजर रहे पेपर मील कॉलोनी के कुछ लड़कों ने बचाने का शोर सुना, तो उन लोगों ने किसी तरह दोनों को निकाल लिया। साथ में मौजूद नेपाल निवासी मीना कुमारी और मिर्जापुर निवासी मुन्नु यादव को नहीं निकाल सके।

मूवी देखकर शुरू कर दी लाल चंदन की तस्करी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। लाल चंदन की तस्करी पर बनी साउथ की सुपरहिट मूवी पुष्पा को देखकर कुछ लोगों के मन में जल्दी मालामाल होने आया। इसके बाद उन्होंने एक गिरोह बनाकर आंध्र प्रदेश से लाल चंदन की तस्करी शुरू कर दी।

इसे बेचने के लिए उन्होंने मथुरा-वृंदावन के मंदिरों और आस-पास के क्षेत्र को चुना। मथुरा पुलिस ने एसटीएफ और वन विभाग के साथ मिलकर मंगलवार को भारी मात्रा में लाल चंदन लकड़ी के साथ गैंग को दबोच लिया। पुलिस टीम ने गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 563 किलो लाल चंदन की बेशकीमती लकड़ी बरामद की है। इसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है।कार्रवाई के दौरान गैंग के 4 सदस्य पुलिस की पकड़ से भाग निकले, जिनकी गिरफ्तारी के लिए टीम छापेमारी कर रही है।

समस्याओं पर सरकार से नाराज दिखे पूर्व सैनिक

» विजय दिवस के कार्यक्रम में भारतवीर मैरिज ब्यूरो का हुआ लोकार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व सैनिक संयुक्त संगठन के तत्वधान में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के पूर्व अधिकारियों तथा सुरव सैनिकों ने सीतापुर रोड पर 1971 की जीत पर विजय दिवस समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम में पूर्व सैनिक अधिकारियों ने अपनी समस्याओं से सरकार को अवगत कराने पर बल दिया। कहा कि सरकार को यह देखना चाहिए कि सेना में अपनी जान जोखिम में डालने वालों के साथ, उनकी सिविल जीवन में वापसी पर क्या-क्या समस्याएं आ रही हैं। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों के हथियारों के लाइसेंस के नवीनीकरण में आ रही समस्याओं, मिलेट्री अस्पतालों के काफी दूरी पर स्थित होने के कारण जिलों के सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों और अस्पतालों में पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों को उनके सेना परिचय पत्र के आधार पर निशुल्क सरकारी चिकित्सा सहायता दिलाने, हाउस टैक्स और अन्य समस्याओं को रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों के विशेष कार्याधिकारी तथा संयुक्त निदेशक सूचना रहे डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने की। मुख्य अतिथि रामेश्वरम एजुकेशनल सोसायटी के चेयरमैन आरपी शुक्ला ने कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। इस मौके पर वरिष्ठ सेनाधिकारी रमेश कुमार सिंह द्वारा गठित भारतवीर मैरिज ब्यूरो का लोकार्पण किया।

ताज को रात 10 बजे तक खोलने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। अगले साल जी-20 की मेजबानी करते हुए आगरा में संस्कृति कोर ग्रूप की दो दिनों तक बैठकें होनी हैं, ऐसे में ताजमहल को रात 10 बजे तक खोलिए मंत्री जी। आगरा के पर्यटन उद्यमियों ने दिल्ली में ट्रांसपोर्ट भवन में केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर यह मांग उठाई। संस्कृति मंत्री ने जनवरी में अधिकारियों के साथ आगरा आने का वादा किया।

टूरिज्म गिल्ड के अध्यक्ष राजीव सक्सेना, राजेश शर्मा, सुरेश खन्ना, एफमेक अध्यक्ष पूरन डावर और एडीएफ के केसी जैन के साथ सांसद एवं केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल ने केंद्रीय संस्कृति मंत्री से पर्यटकों के लिए जरूरी सुविधाएं जुटाने और ताज को रात में खोलने की मांग की। उन्होंने सिविल एन्क्लेव के रुके हुए कामों को जल्द शुरू करने के लिए पैरवी कराने पर जोर दिया।

जेल में 1350 बार सिग्नेचर कराने पर भड़क गए सपा विधायक इरफान सोलंकी

» बांग्लादेशी नागरिक को भारतीय होने का प्रमाण देने के मामले में फंसे हैं विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बांग्लादेशी नागरिक डॉ. रिजवान मोहम्मद व उसके परिवार को अपने लेटरहेड पर भारतीय होने का प्रमाण पत्र देने के मामले में फंसे सपा विधायक इरफान सोलंकी से मंगलवार को पुलिस की एक टीम जेल में मिलने पहुंची। यहां पर विधायक से 50 पन्नों में 1350 बार हस्ताक्षर कराए, जिनका मिलान लेटरहेड पर हुए हस्ताक्षरों से कराया जाएगा।

इस दौरान विधायक खिसिया भी गए और अभद्र शब्दों का इस्तेमाल भी किया। टीम को लगभग एक घंटे का समय लगा हस्ताक्षर के नमूने एकत्र करने में। अब इन नमूनों को झांसी की फोरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा। सपा विधायक इरफान सोलंकी के हस्ताक्षरों का फौरी तौर पर मिलान पुलिस पहले ही एक निजी एक्सपर्ट से करा चुकी थी। इसके बाद जब रिजवान मोहम्मद की नौ घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड ली गई तो उसने भी विधायक द्वारा हस्ताक्षर किए जाने की बात कबूल कर ली, इसके बाद सोमवार को इरफान का नाम डॉ. रिजवान केस में विवेचना के दौरान जोड़ा गया। इतने ज्यादा हस्ताक्षर लेने के पीछे पुलिस का तर्क है कि विधायक अपने हस्ताक्षर कई बार बदल रहे थे, इसलिए उनसे अब इन सभी से प्रमाण पत्र में किए गए हस्ताक्षर का मिलान कराया जाएगा।

तीन और करीबियों को पुलिस ने उठाया

वही, प्लॉट में आगजनी के मामले में पुलिस ने सपा विधायक के तीन और करीबियों को उठाया है। पुलिस का दावा है कि ये तीनों आगजनी के वक्त विधायक और उनके गुर्गों के साथ मौजूद थे। पुलिस जल्द ही आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी। जेसीपी आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि 8 नवंबर को जाजमऊ में नजीर फातिमा के प्लॉट पर आगजनी के मामले में पुलिस ने सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई को जेल भेजा गया था। आगजनी के वक्त विधायक के 18 करीबियों के रहने की जानकारी मिली थी। पुलिस इस मामले में सपा नेत्री नूरी शौकत के पिता शौकत अली, हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद शरीफ और इजराइल आटा वाला को जेल भेज चुकी है, 15 अन्य की पहचान कर ली गई है। इन्हीं चिह्नितों में तीन को पुलिस ने उठाया है। इसके अलावा डीटू गैंग के एजाजुद्दीन उर्फ सबलू, पूर्व पार्षद मुर्सलीन खान उर्फ भोलू, हिस्ट्रीशीटर महबूब कुरैशी उर्फ कल्लू, महताब कुरैशी, बटाऊ यादव, साहिबे आलम उर्फ दाढ़ी शाह की तलाश है।

सीमा पर चीन के साथ झड़प के बाद सरकार ने लिया बड़ा फैसला

तवांग में लगाए जाएंगे 23 नए टावर

» प्रशासन की थी 43 टावर लगाने की मांग

» कनेक्टिविटी में सुधार को बीएसएनएल व एयरटेल के लगेंगे टॉवर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईटानगर। तवांग सेक्टर में बीते दिनों चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प के बाद भारत सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। एलएसी पर बेहतर कनेक्टिविटी के लिए सरकार 23 नए मोबाइल टावर लगाने जा रही है। तवांग जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, यह फैसला नौ दिसंबर को यांग्त्से में भारत-चीन सैनिकों के संघर्ष के बाद लिया गया है।

तवांग के उपायुक्त केएन दामो ने कहा कि सरकार के फैसले के मुताबिक, बीएसएनएल और भारती एयरटेल तवांग में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए 23 नए मोबाइल टावर लगाएंगे। अधिकारियों ने बताया, तवांग जिला प्रशासन की ओर से 43 नए टावर की मांग की गई थी। हालांकि, 23 नए टावर लगाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा, सर्दियों में मोबाइल टावर स्थापित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में हिमपात हो रहा है।

रक्षा बलों को मिलेगी अब बेहतर सुविधा

अधिकारियों ने बताया, इस क्षेत्र में मौजूदा मोबाइल टावर अभी जरूरत के मुताबिक सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं। इससे रक्षा बलों के साथ ही सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले आम नागरिकों को भी परेशानी हो रही है। ऐसे में सरकार की ओर से यह फैसला लिया गया है। अधिकारी ने बताया, पहले सीमावर्ती इलाकों में मोबाइल नेटवर्क नहीं था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है और बुम-ला और वाई-जंक्शन पर भी इंटरनेट सेवा और मोबाइल कनेक्टिविटी मौजूद है। हालांकि, इसमें सुधार की जरूरत है।

'जैसे चीन भारत में घुसा, हम वैसे कर्नाटक में घुसेंगे'

कर्नाटक और महाराष्ट्र सीमा मुद्दे पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों राज्यों के बीच बढ़ते तनाव पर अब शिवसेना नेता संजय राउत ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे सियासी बवाल होना तय है। दरअसल, राउत ने कहा कि हम कर्नाटक में उसी तरह से प्रवेश करेंगे जैसे चीन देश में प्रवेश कर गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्हें इस मुद्दे पर किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। संजय राउत ने आगे कहा कि हम इसे चर्चा के जरिए सुलझाना चाहते हैं लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री आग लगा रहे हैं। महाराष्ट्र में एक कमजोर सरकार है और इस पर कोई स्टैंड नहीं ले रही है।

हरसिमरत कौर बोलीं- नशेड़ी के हाथों में पंजाब की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी को शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर ने जमकर घेरा। उन्होंने लोकसभा में पंजाब के सीएम भगवंत मान पर जमकर हमला बोला। इस दौरान लोकसभा में नशीली दवाओं की समस्या और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर बहस चल रही थी।

इस बीच पंजाब में ड्रग्स के हालात पर आप की सरकार को घेरते हुए हरसिमरत कौर ने कहा कि 6 महीने पहले पंजाब के मुख्यमंत्री उस कोने में बैठते थे। जो पार्लियामेंट में 11 बजे नशे की हालत में आता हो वो आज पंजाब चला रहा है। 11 बजे क्या खा-पी के आते थे, आसपास के सारे सीट बदलने को कहते थे। पंजाब की सड़कों पर लिखा होता है कि डोन्ट ड्रिंक एंड ड्राइव, लेकिन पंजाब में ड्रिंक करके सरकार चल रही है। ये तो हालात हैं। इसके बाद उन्होंने केजरीवाल को भी नहीं बक्शा। उन्होंने कहा कि पंजाब चुनाव जीतने के लिए मान ने अपनी मां की कसम खाई कि आज के बाद शराब को हाथ नहीं लगाऊंगा।

फोटो :4 पीएम

हाई लेवल मीटिंग

बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में कोरोना को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हुई जिसमें कोरोना के नये वैरिएंट को लेकर सावधानियों पर मंथन किया गया। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने फिरहाल भारत पर किसी भी तरह के खतरे से इनकार किया है।

लखनऊ में व्यापारियों पर आयकर विभाग की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कई व्यापारियों पर आयकर विभाग ने रेड डाली है। बताया जाता है कि यहां दिल्ली से आई इनकम टैक्स की टीम ने लखनऊ समेत अन्य कई शहरों में छापेमार कार्रवाई कर रही है।

राजधानी में शंकुतलम प्लाईवुड वाले गुप्ता जी के यहां इनकम टैक्स की टीम कार्रवाई जारी है। इसके अलावा नाका इलाके के व्यापारियों के ठिकानों पर भी छापा मारा है। सूत्रों के अनुसार दिल्ली से आई आईटी की टीम के नेतृत्व में यह कार्रवाई चल रही है। शकुंतलम प्लाईवुड वालों के घर दिल्ली से टीम आई। ज्यादातर यह कार्रवाई प्लाईवुड व्यापारियों के यहां ही चल रही है।

सर्दियों के मौसम में बरतें सावधानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सर्दियों के मौसम में हम अपनी हेल्थ का ध्यान नहीं रख पाते है। कई लोग ठंड के कारण देर से उठते हैं और कुछ तो अपनी सुबह की सैर या नियमित एक्सरसाइज भी छोड़ देते हैं. पानी का सेवन, खान-पान से लेकर दिन में शारीरिक गतिविधि तक, सर्दियों में सब कुछ प्रभावित हो जाता है, जिससे पेट की बीमारी होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

विशेष रूप से युवाओं में जंक और प्रोसेस्ड फूड के सेवन में वृद्धि के साथ कब्ज तेजी से आम होता जा रहा है। सर्दियों में फिजिकल एक्टिविटी की कमी से यह स्थिति और खराब हो जाती है। लेकिन हम यहां आपको ऐसे खानों के बता रहे हैं जिससे बचने से आपमें कब्ज की समस्या ना होने के साथ-साथ आपका सेहत भी तंदुरुस्त रहेगा। सर्दियों के मौसम में लोग पानी पीना कम कर देते हैं। औसत पानी की खपत को याद करना इस मौसम में काफी आसान होता है।

निकाय आरक्षण पर कल फिर सुनवाई

» ओबीसी कोटे को लेकर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर आना है फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर आज लखनऊ बेंच में सुनवाई होनी थी। जिसके बाद कल यानी 22 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी है। वहीं अधिसूचना जारी करने पर भी बुधवार तक की रोक लगा दी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से सारे जवाब पेश कर दिए गए।

इसके बाद याचिकाकर्ताओं के वकील ने उस प्रति के उत्तर दाखिल भी कर दिए। राज्य सरकार का कहना था कि मांगे गए सारे जवाब प्रति शपथ पत्र में दाखिल कर दिए गए हैं। इस पर याचिकाओं के वकील ने आपत्ति करते हुए सरकार से विस्तृत जवाब मांगे जाने की गुजारिश की, जिसे कोर्ट ने नहीं माना। उत्तप्रदेश सरकार ने दाखिल किए गए अपने हलफनामे में कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव मामले में 2017 में हुए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सर्वे को आरक्षण का आधार माना जाए। सरकार ने कहा है कि इसी सर्वे को ट्रिपल टेस्ट माना जाए। शहरी विकास विभाग के सचिव रंजन कुमार ने हलफनामे में कहा है कि ट्रांसजेंडर को चुनाव में आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा था कि किन प्रावधानों के तहत निगाहों में प्रशासकों की नियुक्ति की गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।